जब बाघ की दहशत में लोगों के बीच उनका मसीहा बना था अकेला शेर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज

- आदमखोर बाघिन की गिरफ्तारी में बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद की निर्णायक भूमिका
- वन विभाग और प्रशासन के साथ मिलकर किया साहसिक नेतृत्व, क्षेत्र की जनता ने दी सराहना

यूथ इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। करीब डेढ़ महीने से न्यूरिया क्षेत्र के 15 गांवों में दहशत का कारण बनी आदमखोर बाघिन को देर शाम आखिरकार वन विभाग की टीम ने पकड़ा। यह सफलता न सिर्फ वन विभाग की दक्षता का परिणाम है, बल्कि इसमें बरखेड़ा विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज की सक्रियता और नेतृत्व भी निर्णायक रहा। जिस दिन बाघिन को पकड़ा गया, उस दिन सुबह से ही स्वामी प्रवक्तानंद महाराज पुर गांव और आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण कर रहे थे। वे ग्रामीणों को हौसला दे रहे थे, सतर्कता के निर्देश दे रहे थे और वन विभाग की टीमों को हर संभव सहयोग उपलब्ध करा रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी मौजूदगी से भय और असुरक्षा का माहौल काफी हद तक कम हुआ।

बाघिन के आतंक के कारण कई लोग घरों से बाहर निकलने से डर रहे थे, लेकिन स्वामी प्रवक्तानंद महाराज बिना किसी भय के मोर्चा संभाले रहे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर न केवल हालात का जायजा लिया, बल्कि ड्रोन सर्विलांस, घेराबंदी और ट्रेंकुलाइज प्रक्रिया के दौरान वन विभाग के साथ कदम से कदम मिलाकर सहयोग किया। क्षेत्रवासियों के

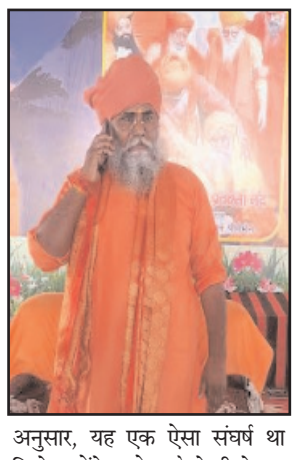

अनुसार, यह एक ऐसा संघर्ष था जिसे उन्होंने मानो अकेले ही नेतृत्व किया और अंत तक डटे रहे।

स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व और स्पष्ट निर्देशों से ही यह खतरा समाप्त हो सका है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जंगलों के समीप सतर्कता बनाए रखें, क्योंकि जंगली जानवर कभी भी मानव बस्तियों के समीप आ सकते हैं।

जनता की राहत, विधायक की सराहना

बाघिन की गिरफ्तारी के बाद पूरे क्षेत्र में राहत का माहौल है। जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने स्वामी प्रवक्तानंद महाराज की सक्रिय भूमिका की भूरी-भूरी प्रशंसा की है। यह घटना यह साबित करती है कि जब जनप्रतिनिधि, प्रशासन और जनता एकजुट होकर काम करते हैं, तो किसी भी संकट को परास्त करना संभव है।

यह सफलता आने वाले समय में मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियों की दिशा में भी प्रेरणा बनेगी। और इसमें बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज का साहसिक नेतृत्व एक मिसाल बनकर याद रखा जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने बाघ के हमले का शिकार हुए लोगों के परिजनों से मिल 24 घंटे के अंतराल धनु राशि देते हुए एवं घरेलू के इलाज के लिए अपने पास से आपकी सहायता देकर यह साबित कर दिया कि यह विधायक केवल अपने कार्यालय पर बैठकर ही एवं अपने कार्यालय पर लोगों को बुलाकर ही सब समस्या का हल नहीं करता जब विधायक जैसा व्यक्ति आम जनमानस के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न कर के घर जाकर परिवार के सदस्य की भूमकी निभाता है तो जनमानस के प्रति उसका विश्वास अटूट हो जाता है।

इतना ही नहीं अपने कार्यालय पर जहां लोगों की सैकड़ो समस्याएं फोन के माध्यम से ही निपटा देते हैं और तत्पर उनके यहां अपनी शिकायत लेकर आए लोगों को जलपान की पूर्ण व्यवस्था करते हैं इससे यह साबित होता है कि एक विधायक केवल लोगों के लिए विधायक ही नहीं उसका बेटा उसका पुत्र बनकर भी लोगों की सेवा कर सकता है जिसका मुख्य उदाहरण महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने यह जनपद में ही नहीं जनपदों में भी सिद्ध कर दिया है जिसकी प्रशंसा स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कर चुके हैं।

बारिश की रिमझिम में निकली और मौसम साफ होते गांवों में पहुंचसी बाघ एक्सप्रेस

- बाघ एक्सप्रेस ग्राम- जमुनिया खास, डाकिया और भैरवकला

यूथ इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। मानव और वन्यजीवों के सहअस्तित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाई जा रही ÷बाघ एक्सप्रेस÷ जागरूकता अभियान के तहत आज यह अभियान जमुनिया खास, डाकिया, और भैरव कला में पहुंचा। लोगों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया, पीलीभीत टाइगर रिजर्व और रूबरूफाउंडेशन के सहयोग से चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना की कार्यक्रम में लगभग 700 लोगों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक और संवाद सत्रों के माध्यम से स्थानीय लोगों को वन्यजीव संरक्षण और उनके साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन बाघ मित्र राजीव कुमार के द्वारा किया गया कार्यक्रम भैरो कला के ग्राम प्रधान राम प्रताप मौजूद रहे, भैरो कला के लोगो काफी बढ़ चढ़कर कार्यक्रम में भाग लिया,बाघ मित्रों का सहयोग बहुत ही सराहनीय रहा, बाघ मित्र सुनील कुमार, राम कुमार,मथुरा प्रसाद, देवेंद्र कुमार, रवि सरोज , दानू लाल जमुना प्रसाद शर्मा ,इंद्रजीत और पीलीभीत टाइगर रिजर्व से प्रदीप कुमार, सुरेश, प्रभात शर्मा , हरिशंकर अजयवीर, प्रहलाद सिंह,नत्थू लाल वर्मा और सामाजिक वानिकी पूरनपुर रेंजर,कन्हैया, हर्षित मिश्रा, सुरेश ,निपेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। इस पहल के तहत कलाकारों ने रोचक और शिक्षाप्रद नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए, जिनमें वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा, मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ते खतरे और बाघों सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की जरूरत पर प्रकाश डाला गया।

स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और किसानों, महिलाओं बच्चों और युवाओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर श्री मनीष सिंह ने बताया

कि ÷बाघ एक्सप्रेस÷ का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाना ही नहीं, बल्कि लोगों को वन्यजीवों के साथ सुरक्षित और सकारात्मक संबंध बनाने के लिए प्रेरित करना भी है।

पीआरवी वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत, गांव में मातम

यूथ इंडिया संवाददाता

तिलोई, अमेठी। मोहनगंज थाना क्षेत्र के चेतरा बुजुर्ग गांव में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 38 वर्षीय अंजुम निशा की मौत हो गई। डायल 112 की पीआरवी वाहन अनियंत्रित होकर महिला से टकरा गई और सड़क किनारे खड्ड में पलट गई। हादसे में वाहन सवार दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

गांव निवासी इसराइल ने बताया कि सुबह उनकी पत्नी अंजुम निशा नित्यक्रिया के लिए खेत की ओर गई थीं। इस दौरान जायस की तरफ से आ रहा पीआरवी वाहन अचानक नियंत्रण खो बैठा और उनसे टकरा गया। जोरदार टक्कर के बाद वाहन खड्ड में पलट गया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों और घायल महिला

को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल अंजुम निशा को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में पीआरवी सवार होमगार्ड इंद्रजीत और कांस्टेबल अमित को हल्की चोटें आई हैं। इंस्पेक्टर राकेश सिंह ने बताया कि क्रेन की मदद से पीआरवी को बाहर निकाला गया और पीड़िता के चचेरे देवर शमीम की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

अंजुम निशा की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी बेटियां – खुशनुमा, सहबीन और शहरीन – का रो-रोकर बुरा हाल है। पति इसराइल, जो बंगलूरू में निजी कंपनी में नौकरी करते हैं, मुहर्रम के मौके पर घर आए थे और शुक्रवार को वापस लौटने वाले थे, लेकिन पत्नी की असमय मौत ने उन्हें गहरे सदमे में डाल दिया है। बुजुर्ग फातिमा बानो बहू के निधन के बाद से पूरी तरह टूट गई हैं।

जन्माष्टमी की आहट से सराबोर हुए बाजार, कान्हा के श्रृंगार में दिखा नया रंग-रूप

यूथ इंडिया संवाददाता

अमेठी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के नजदीक आते ही जिले के बाजारों में उत्सव का रंग गहरा हो गया है। गौरीगंज, अमेठी, जायस और जगदीशपुर के मुख्य बाजारों से लेकर सड़क किनारे लगे अस्थायी स्टॉल तक, हर जगह कान्हा के लिए आकर्षक श्रृंगार और सजावटी सामान की भरमार है।

बाजारों में पीतल के लड्डू गोपाल, मोती जड़ी मुरलियां, कुंदन और जरी के पालने, मोर मुकुट, सिंहासन और रंग-बिरंगी पोशाकें ग्राहकों को खूब भा रही हैं। पारंपरिक लकड़ी के झूले और डिजाइनदार सोफादार झूले रंगीन मोतियों और क्रिस्टल से सजे हुए हैं। साथ ही छोटी चारपाई, सोफा-बेड, सिंहासन और खटिया जैसे सजावटी फर्नीचर नंदलाल के

श्रृंगार में चार चांद लगा रहे हैं।

हालांकि बिजली से चलने वाले झूले भी बाजार में आए हैं, लेकिन ग्राहकों का रुझान अब भी पारंपरिक लकड़ी के झूलों की ओर अधिक है। कान्हा की पोशाकों में हरे, पीले और गुलाबी रंग की ड्रेस विशेष रूप से पसंद की जा रही है। विक्रेताओं ने मथुरा, वृंदावन और कोलकाता से नई डिजाइन की पोशाकें मंगाई हैं। इनके साथ स्पेशल पगड़ी, मोर मुकुट और रंग-बिरंगी बांसुरियां भी लोगों को लुभा रही हैं। महंगाई के बावजूद लोग गुणवत्तापूर्ण श्रृंगार सामग्री चुन रहे हैं। गौरीगंज बाजार में सजी लड्डू गोपाल की मोहक मूर्तियां राहगीरों को ठहरने पर मजबूर कर रही हैं। दुकानदार धर्मेंद्र चौरसिया का कहना है, ÷इस बार भीड़ पिछले वर्ष से अधिक है।

अवैध कब्जाधारियों पर प्रशासन का बुलडोजर

यूथ इंडिया समाचार

अमेठी। मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के हरदोईया गांव में गुरुवार को प्रशासन ने अवैध कब्जे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चक्र मार्ग की सरकारी जमीन पर खड़े निर्माण को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया। यह मामला दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवादित था। राजस्व टीम की जांच में अतिक्रमण साबित होने पर तहसीलदार सूरज प्रताप के नेतृत्व में पुलिस व राजस्व विभाग की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया जैसे ही बुलडोजर के पंजे ने अवैध दीवारें ढहाई, गांव में राहत की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने संतोष जताते हुए कहा– ÷अब गांव में किसी की हिम्मत नहीं होगी सरकारी जमीन पर कब्जा करने की। यह कानून का राज है और यह कायम रहना चाहिए।प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि सरकारी जमीन हड़पने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। हरदोईया में हुई यह कार्रवाई न केवल अतिक्रमणकारियों के लिए सबक बनी, बल्कि कानून व्यवस्था में लोगों का विश्वास भी और गहरा कर गई।

सर्विलांस व स्वाट टीम ने खोये मोबाइल किये बरामद

यूथ इंडिया समाचार

अमेठी। अपराधियों पर शिकंजा कसने के साथ-साथ अमेठी पुलिस ने जनता का भरोसा जीतने का शानदार उदाहरण पेश किया है। पुलिस अधीक्षक अमेठी श्रीमती अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में सर्विलांस एवं स्वाट टीम ने अथक प्रयास कर 75 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर लिए ये मोबाइल फोन अलग-अलग तिथियों पर गुम हो गए थे, जिनकी सूचना पीड़ितों ने पुलिस को दी थी। टीम ने तकनीकी साधनों और सूझबूझ से काम लेते हुए सभी मोबाइल ढूंढ निकाले।

बरामद मोबाइलों की कीमत करीब 11 लाख 25 हजार रुपये आंकी गई है गुरुवार को पुलिस ने इन मोबाइलों को उनके असली मालिकों को सौंपा। लंबे समय से खोए फोन वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। स्थानीय नागरिकों ने अमेठी पुलिस की इस ईमानदारी, तत्परता और जनसेवा की भावना की दिल खोलकर सराहना की पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तकनीक के सही इस्तेमाल से अपराध पर अंकुश लगाने के साथ-साथ आम जनता की मदद करना भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और अमेठी पुलिस इस दिशा में लगातार प्रयासरत है।

वायरल बुखार का प्रकोप, जिला अस्पताल की ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भीड़

यूथ इंडिया संवाददाता

अमेठी। मौसमी बदलाव के चलते वायरल बुखार का प्रकोप जिले में तेजी से फैल रहा है। बुधवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में बुखार से पीड़ित 635 मरीज इलाज के लिए पहुंचे, जबकि कुल 1250 मरीजों का पंजीकरण हुआ। चिकित्सकों का कहना है कि मौसमी वायरल संक्रमण बढ़ रहा है और कई मामलों में बुखार ठीक होने में एक सप्ताह तक का समय लग रहा है।

बुधवार सुबह आठ बजे अस्पताल खुलते ही पर्चा काउंटर पर मरीजों की लंबी कतार लग गई। पंजीकरण कराने में मरीजों और तीमारदारों को आधे घंटे से अधिक समय लग रहा था। खून की जांच के लिए पंजीकरण में भी यही स्थिति रही। मरीज क्रांति देवी, संगीता,

रामलली, राम कृपाल, विनोद कुमार और रमेश गुप्ता ने बताया कि पर्चा बनवाए एक घंटा हो गया, लेकिन चिकित्सक को दिखाने का नंबर अभी नहीं आया है।

फिजिशियन डॉ. शुभम पांडेय ने बताया कि मौसमी वायरल बुखार के मामले बढ़ रहे हैं और दवा लेने के बाद भी कई मरीजों को एक सप्ताह तक आराम नहीं मिल रहा है। ऐसे मरीजों की मलेरिया जांच भी कराई जा रही है। ओपीडी में पहुंचे अधिकांश मरीज बुखार के साथ खांसी, जुकाम और बदन दर्द की शिकायत कर रहे थे। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लईक-उज-जमा ने बताया कि बुधवार को बाल रोग ओपीडी में 120 बच्चे*आए, जिनमें 55त्न बुखार, जुकाम और खांसी से पीड़ित थे। सीएमएस डॉ. बद्री प्रसाद अग्रवाल ने चेतावनी दी कि यह मौसम मच्छरों के प्रजनन का है, जिससे डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर और टंकियों को साफ रखें, पूरी बांह के कपड़े पहनें और मच्छरदानी का उपयोग करें।

तेज बुखार, बदन दर्द या आंखों में दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह दी गई है। साथ ही, मरीजों को तरल पदार्थों का अधिक सेवन करने और शरीर में पानी की कमी न होने देने की हिदायत दी गई है।

एडीजी सुजीत पाण्डेय ने की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, पर्वो पर विशेष सतर्कता के निर्देश

यूथ इंडिया समाचार

अमेठी। गौरीगंज स्थित एसपी कार्यालय सभागार में बुधवार को लखनऊ जोन के एडीजी सुजीत पांडेय ने जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सभी थाना प्रभारियों के साथ बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य बीट पुलिसिंग को और प्रभावी बनाना, आगामी पर्वों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना और साइबर अपराधों पर सख्त निगरानी रखना था।

एडीजी ने कहा कि चेहल्लुम, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष सतर्कता बरती जाए। बड़े अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित हो और उनकी अवैध संपत्ति का चिन्हांकन कर कुर्की की जाए। उन्होंने बीट पुलिसिंग को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण पर विशेष जोर दिया। बैठक में एडीजी ने कहा कि प्रदेश और देश में साइबर फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। साइबर हेल्प डेस्क के माध्यम से ऐसे अपराधियों की पहचान कर उनका डॉजियर तैयार किया जा रहा है। चाहे अपराधी स्थानीय हों या अन्य क्षेत्रों से जुड़े, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया से बातचीत में एडीजी सुजीत पांडेय ने कहा कि पुलिस अपराध नियंत्रण और साइबर जागरूकता को लेकर पूरी तरह सजग है। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि बीट पुलिसिंग और साइबर निगरानी को और मजबूत किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

सौहार्द की अलख जगा रहे मौलाना अब्दुल हमीद

यूथ इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। धर्म और मानवता के बीच संतुलन स्थापित करते हुए जनपद पीलीभीत के प्रसिद्ध इस्लामिक विद्वान और समाजसेवी मौलाना अब्दुल हमीद ने सावन माह, कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को लेकर एक अद्वितीय संदेश दिया है। हिंदी मासिक पत्रिका सस्पेंस क्राइम के जिला संवाददाता विनय यादव से विशेष वार्ता में उन्होंने गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे, सहिष्णुता और शांति को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताया। मौलाना हमीद का मानना है कि त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में प्रेम और एकता का उत्सव हैं।

उन्होंने कहा– ÷हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह दूसरे के धर्म और भावनाओं का सम्मान करे। यही सच्ची देशभक्ति है।÷सावन माह में निकलने वाली पवित्र कांवड़ यात्रा को लेकर मौलाना अब्दुल हमीद ने मुस्लिम समाज से विशेष अनुरोध किया–मार्ग में सहायता प्रदान करें और पुष्प वर्षा से उनका अभिनंदन करें। यात्रा मार्ग पर स्थित मीट की दुकानें स्वेच्छा से बंद रखें, ताकि किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। मौलाना ने स्पष्ट किया। ÷इस्लाम में मीट खाना हलाल है, पर अनिवार्य नहीं। सामाजिक सौहार्द के लिए थोड़ी असुविधा भी पुण्य का कार्य है।÷ साथ ही उन्होंने हिंदू समाज से भी अपील की कि यात्रा के दौरान कोई भड़काऊ नारे न लगाएं और पूरी यात्रा शांति व अनुशासन के साथ संपन्न हो। उन्होंने भारत को ÷मजहबों का गुलदस्ता÷ बताते हुए कहा कि इसकी खुशबू तभी बनी रहेगी जब सभी इसे मिलकर महकाएंगे। मोहर्रम और ताजिए के जुलूस को लेकर सुझाव आगामी मोहर्रम को लेकर मौलाना हमीद ने संतुलित और व्यावहारिक सुझाव दिए– ताजिए की ऊंचाई सीमित रखी जाए, ताकि बिजली की लाइनों और पेड़ों को नुकसान न हो। जुलूस केवल परंपरागत मार्गों से ही निकाले जाएं। नई परंपराओं की शुरुआत से बचा जाए। प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अनुशासन बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा– ÷धार्मिक आयोजन तभी सफल होते हैं जब उनमें संवेदनशीलता, अनुशासन और परस्पर सहयोग की भावना हो।÷ समाजसेवा में अग्रणी मौलाना अब्दुल हमीद केवल धर्मगुरु ही नहीं, बल्कि एक समर्पित समाजसेवी भी हैं। होली, दिवाली, ईद, रमजान, मुहर्रम जैसे अवसरों पर वे गरीब और जरूरतमंदों को राशन, वस्त्र, फल, मिठाई और नकद सहायता प्रदान करते हैं। उनकी सेवा भावना ने उन्हें पीलीभीत ही नहीं, बल्कि देशभर में अलग पहचान दिलाई है। मौलाना अब्दुल हमीद के विचार और पहल भारत की साझा संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रेरक हैं। ऐसे व्यक्तित्व समाज में धार्मिक संतुलन, सामाजिक समरसता और मानवीय सेवा के मजबूत स्तंभ होते हैं। सच यही है–जब तक हम एक-दूसरे के धर्म और भावनाओं का सम्मान नहीं करेंगे, तब तक कोई भी धर्म अपने उद्देश्य को पूर्ण नहीं कर सकता।÷

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक से मुलाकात कर समाजसेवी ने की कृषि विषयों पर चर्चा

यूथ इंडिया समाचार

कठौरा, अमेठी। सामाजिक कार्यो के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों मे उत्कृष्ट योगदान देने वाली संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी विश्व पर्यावरण दिवस से ही सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण महाअभियान अनवरत जारी है और क्षेत्र मे पहुंचकर लोगों से वृक्षारोपण करने की अपील कर रहे हैं।

उसी क्रम मे कृषि क्षेत्र मे उत्कृष्ट योगदान देने वाले कृषि विज्ञान केंद्र कठौरा पहुंचकर वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ नवनीत कुमार मिश्रा से मुलाकात कर कृषि संबंधी विषयों पर चर्चा की एवं बतौर संस्था प्रबंधक उन्हे श्री राधाकृष्ण प्रतिमा भेंटकर मार्गदर्शन प्राप्त किया एवं संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यो से अवगत कराया।

वहीं डॉ नवनीत कुमार मिश्रा ने संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी का धन्यवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तेज हवा और बारिश में गिरी पेड़ की टहनी, 16 गांवों में 13 घंटे गुल रही बिजली

यूथ इंडिया समाचार

जामो, अमेठी। आई तेज हवा और बारिश के कारण स्थानीय उपकेंद्र से जुड़े 16 गांव अंधेरे में डूब गए। करीब 30 हजार की आबादी पूरी रात उमस, मच्छरों और पेयजल संकट से जूझती रही। रात एक बजे बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जो बुधवार दोपहर बाद ही बहाल हो सकी।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में रात में बिजली कटना अब आम हो गया है, जबकि गर्मी के दिनों में यही समस्या और गंभीर रूप ले लेती है। बिजली गुल होते ही जामों कस्बे के अलावा सूखीबाजगढ़, अलीपुर, रेसी, घाटमपुर, हरगांव समेत 16 गांवों में लगे नल और मोटर बंद हो गए। कस्बे के निवासी अखिलेश तिवारी ने बताया, ÷रातभर नींद नहीं आई। उमस और मच्छरों ने जीना मुश्किल कर दिया। सुबह उठे तो पानी भी नहीं था।÷ स्थानीय निवासी लवकुश ने कहा, ÷जब बिजली आती भी है तो वोल्टेज बहुत कम हो जाता है, जिससे उपकरण सही से चल ही नहीं पाते।÷

मंगलवार रात तेज हवा और बारिश के दौरान पूरेसूबेदार चौबे गांव के पास एक बड़ा पेड़ बिजली लाइन पर गिर गया। उपकेंद्र के अवर अभियंता प्रेमचंद्र कुशवाहा ने बताया कि कर्मचारी रात से ही पेड़ काटने और लाइन दुरुस्त करने में लगे रहे। बुधवार दोपहर बाद बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ. प्र. से मुद्रित एवं ई-417 मोतीझील, ऐशबाग लखनऊ-226004 से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com RNI No- UPHIN/2005/17816
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।